THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

शाम – एक किसान.

सार-आधारित प्रश्न

1)
आकाश का साफ़ा बाँधकर
सूरज की चिलम खींचता
बैठा है पहाड़,
घुटनों पर पड़ी है नदी चादर-सी,
पास ही दहक रही है
पलाश के जंगल की अँगीठी
अंधकार दूर पूर्व में
सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले-सा।

प्रश्न **1.** उपर्युक्त पद्यांश के पाठ के लेखक का नाम बताइए।
(क) नागार्जुन
(ख) मीरा बाई
(ग) यतीश अग्रवाल
(घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
उतर – (घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रश्न **2.** शाम के समय पहाड़ किसके समान दिखता है?
(क) बैठे हुए किसान की तरह
(ख) सोए हुए इंसान की तरह
(ग) आकाश की तरह
(घ) उपर्युक्त सभी
उतर – (क) बैठे हुए किसान की तरह

प्रश्न **3.** 'चिलम' शब्द का सही अर्थ क्या है?
(क) हुक्के को बंद करने वाली वस्तु
(ख) हुक्के के ऊपर रखने वाली वस्तु
(ग) हुक्के को खोलने वाली वस्तु
(घ) इनमें से कोई नहीं
उतर – (ख) हुक्के के ऊपर रखने वाली वस्तु ।

प्रश्न **4.** जंगल में खिले पलाश के फूल किसके समान दिखते है?
(क) उगते हुए सूर्य की किरण की तरह
(ख) सूर्य की लालिमा की तरह

(ग) जलती अँगीठी की तरह
(घ) इनमें से कोई नहीं
उतर – (ग) जलती अँगीठी की तरह

प्रश्न **5.** ‘गल्ले-सा’ शब्द का सही अर्थ क्या है?
(क) समूह के समान
(ख) गाली के समान
(ग) गाल के समान
(घ) इनमें से कोई नहीं
उतर – (क) समूह के समान

2)
अचानक – बोला मोर।
जैसे किसी ने आवाज़ दी-
‘सुनते हो’।
चिलम औंधी
धुआँ उठा-
सूरज डूबा
अंधेरा छा गया।

प्रश्न **1.** उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का नाम बताइए।
(क) एक तिनका
(ख) कंचा
(ग) शाम – एक किसान
(घ) धनराज
उतर – (ग) शाम – एक किसान

प्रश्न **2.** चारों तरफ छाई शांति के बीच अचानक कौन बोल पड़ा?
(क) मोर
(ख) किसान
(ग) नदी
(घ) कौआ
उतर – (क) मोर

प्रश्न **3.** ‘चिलम औंधी होना’ किसका प्रतीक है?
(क) सूरज के निकलने का
(ख) शाम के होने के
(ग) सूरज के चमकने का
(घ) सूरज के डूबने का
उतर – (घ) सूरज के डूबने का

प्रश्न **4.** इस कविता में किस शाम का वर्णन है।
(क) गर्मी की शाम
(ख) जाड़े की शाम

(ग) बरसात की शाम
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर – (ख) जाड़े की शाम

बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (Multiple Choice Questions)

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) एक प्रकार का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन है जिसमें एक व्यक्ति को उपलब्ध विकल्पों की सूची में से एक या अधिक सही उत्तर चुनने के लिए कहा जाता है। एक एमसीक्यू कई संभावित उत्तरों के साथ एक प्रश्न प्रस्तुत करता है।

प्रश्न 1. 'शाम – एक किसान' कविता के लेखक कौन हैं?
(क) विजय तेंदुलकर
(ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(ग) शिव प्रसाद सिंह
(घ) भानु प्रताप
उत्तर – (ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

प्रश्न 2. पहाड़ किसका साफ़ा बाधा हुआ है?
(क) आकाश का
(ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(ग) शिव प्रसाद सिंह
(घ) भानु प्रताप
उत्तर – (क) आकाश का

प्रश्न 3. कवि ने पहाड़ को किस रूप में दिखाया है?
(क) आकाश के रूप में
(ख) पेड़ों के रूप में
(ग) किसान के रूप में
(घ) नदियों के रूप में
उत्तर – (ग) किसान के रूप में

प्रश्न 4. 'पलाश' शब्द का क्या अर्थ है?
(क) एक प्रकार का जंगली वृक्ष जिस पर हरे रंग के फूल लगते है।
(ख) एक प्रकार का जंगली वृक्ष जिस पर नीले रंग के फूल लगते है।
(ग) एक प्रकार का जंगली वृक्ष जिस पर पीले रंग के फूल लगते है।
(घ) एक प्रकार का जंगली वृक्ष जिस पर लाल रंग के फूल लगते है।
उत्तर – (घ) एक प्रकार का जंगली वृक्ष जिस पर लाल रंग के फूल लगते है।

प्रश्न **5.** ये कविता किसके ऊपर क्रेंदित है**?**
(क) प्रकृति के ऊपर
(ख) नदी के ऊपर
(ग) आकाश के ऊपर
(घ) इनमें से कोई नही
उत्तर – (क) प्रकृति के ऊपर

प्रश्न **6.** नदी किस प्रकार की लग रही है**?**
(क) रेल-सी
(ख) बिजली-सी
(ग) जंजीर-सी
(घ) चादर-सी
उत्तर – (घ) चादर**-**सी

प्रश्न **7.** रिक्त स्थान को पूरा करो**-** "घुटनों पर पड़ी है _____ चादर – सी"।
(क) जमीन
(ख) पहाड़
(ग) नदी
(घ) इनमें से कोई नही
उत्तर – (ग) नदी

प्रश्न **8.** 'साफ़ा' शब्द का क्या अर्थ है**?**
(क) पगड़ी
(ख) चादर
(ग) सोफा
(घ) सफाई
उत्तर – (क) पगड़ी

प्रश्न **9.** भेड़ों के झुंड**-**सा अंधकार कहां बैठा है**?**
(क) दक्षिण में
(ख) उतर में
(ग) पूरब में
(घ) पश्चिम में
उत्तर – (ग) पूरब में

प्रश्न **10.** पलाश के फूल कैसे लग रहा है**?**
(क) सूरज की तरह
(ख) सुलगती अँगीठी की तरह
(ग) जलती बल्ब की तरह
(घ) चांद की तरह
उत्तर – (ख) सुलगती अँगीठी की तरह

प्रश्न **11.** सूरज के डूबते ही क्या हुआ**?**
(क) चारों तरफ अंधेरा छाने लगा

(ख) चारों तरफ प्रकाश फैलने लगा
(ग) चारों तरफ चहल पहल होने लगी
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर – (क) चारों तरफ अंधेरा छाने लगा

प्रश्न 12. मानो किसी ने आवाज लगाई '_____' **?**
(क) ओ भइया
(ख) बोलते हो
(ग) सुनते हो
(घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर – (ग) सुनते हो

प्रश्न 13. शाम का ढलना कैसा ऐसा लग रहा था**?**
(क) जैसे आकाश उल्टी हो गई हो
(ख) जैसे चिलम उल्टी हो गई हो
(ग) जैसे समय घूम गई हो गई हो
(घ) इनमें कोई नही
उत्तर – (ख) जैसे चिलम उल्टी हो गई हो

प्रश्न 14. दूर पूर्व दिशा में पसरा हुआ अँधेरा कैसा महसूस हो रहा था**?**
(क) जैसे भेड़ों का समूह दुबक के बैठा हो।
(ख) जैसे भैसों का समूह दुबक के बैठा हो।
(ग) जैसे पक्षियों का समूह दुबक के बैठा हो।
(घ) जैसे जानवरों का समूह दुबक के बैठा हो।
उत्तर – (क) जैसे भेड़ों का समूह दुबक के बैठा हो।

प्रश्न 15. घुटनों तक किसी चादर को कौन ओड़ा हुआ है**?**
(क) पलाश के पेड़ ने
(ख) नदी ने
(ग) आकाश ने
(घ) पहाड़ ने
उत्तर – (घ) पहाड़ ने

प्रश्न 16. "सिमटा बैठा है _____ गल्ले -सा।" रिक्त स्थान को पूरा करो।
(क) पैसो के
(ख) भेड़ों के
(ग) पेड़ों के
(घ) इनमें से कोई नही
उत्तर – (ख) भेड़ों के

प्रश्न 17. कविता में किस वस्तु को औंधी हुई दिखाया गया है**?**
(क) रेल
(ख) चिलम
(ग) टोकरी

(घ) सुरज
उत्तर – (ख) चिलम

प्रश्न और उत्तर Questions Answers

कविता से

प्रश्न 1. इस कविता में शाम के दृश्य को किसान के रूप में दिखाया गया है – यह एक रूपक है। इसे बनाने के लिए पाँच एकरूपताओं की जोड़ी बनाई गई है। उन्हें उपमा कहते हैं। पहली एकरूपता आकाश और साफ़े में दिखाते हुए कविता में 'आकाश का साफ़ा' वाक्यांश आया है। इसी तरह तीसरी एकरूपता नदी और चादर में दिखाई गई है, मानो नदी चादर – सी हो। अब आप दूसरी, चौथी और पाँचवीं एकरूपताओं को खोजकर लिखिए।
उत्तर – जिस प्रकार पहली एकरूपता आकाश और साफ़े में दिखाई गई है वैसे ही,
दूसरी एकरूपता – चिलम सूरज – सी में
तीसरी एकरूपता – नदी और चादर में
चौथी एकरूपता – पलाश के जंगल की अंगीठी में
पाँचवी एकरूपता – अंधकार भेड़ों के गल्ले-सा में

प्रश्न 2. शाम का दृश्य अपने घर की छत या खिड़की से देखकर बताइए –
(क) शाम कब से शुरू हुई ?
(ख) तब से लेकर सूरज डूबने में कितना समय लगा ?
(ग) इस बीच आसमान में क्या – क्या परिवर्तन आए ?
उत्तर – शाम में घर की छत या खिड़की से शाम का दृश्य देखने पर पता चला है कि
(क) सूरज के पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने के साथ ही शाम की शुरुआत हो जाती है, लगभग पाँच बजे हमें शाम महसूस होने लग जाती है।
(ख) फिर उसके बाद सूरज को पूरी तरह डूबने में लगभग एक से डेढ़ घंटे का समय लग जाता है।
(ग) जैसे – जैसे सूरज पश्चिम की तरफ जाने लगा, आसमान के रंग में बदलाव देखने को मिला। पहले वो नीले रंग से, हल्का पीला हुआ और फिर चारों तरफ लालिमा छा गयी। फिर धीरे – धीरे हर ओर अंधेरा छा गया।

प्रश्न 3. मोर के बोलने पर कवि को लगा जैसे किसी ने कहा हो – 'सुनते हो'। नीचे दिए गए पक्षियों की बोली सुनकर उन्हें भी एक या दो शब्दों में बाँधिए –

कबूतर	कौआ	मैना
तोता	चील	हंस

उत्तर –

कबूतर – किसी का ख़त आया है।
कौआ – आज घर पर कोई मेहमान आने वाला है।
मैना – तुम्हारी आवाज़ मन को मोह लेने वाली है।
तोता – फल बहुत ही स्वादिष्ट है।
चील – रुको मत और मेरी तरह ऊँचाइयों को प्राप्त करो।
हंस – अपने मन को हमेशा शांत रखो।

कविता से आगे

प्रश्न **1.** इस कविता को चित्रित करने के लिए किन**-**किन रंगों का प्रयोग करना होगा**?**
उत्तर **–** इस कविता को चित्रित करने के लिए पीला, सुनहरा, लाल, सफ़ेद, आसमानी, भूरा, और काले रंगों का प्रयोग करना चाहिए।

प्रश्न **2.** शाम के समय ये क्या करते हैं**?** पता लगाइए और लिखिए**-**

पक्षी	खिलाड़ी	फलवाले	माँ
पेड़–पौधे	पिता जी	किसान	बच्चे

उत्तर **–**
पक्षी **–** चहचहाते हुए अपने घोंसलों की ओर जाते हैं।
खिलाड़ी **–** खेल खत्म होने पर विश्राम करते हैं।
फलवाले **–** मंडी में फलवाले अपना फल बेचने के लिए जोर जोर बोलते है फल ले लो, फल ले लो, ताकि सभी फल बेचकर घर जा सके।
माँ **–** माँ रात का खाना बनाने की तैयारी में जुट जाती है।
पेड़-पौधे **–** दिन-भर झूमते पेड़-पौधे शाम के समय एक दम शांत हो जाते हैं मानो विश्राम कर रहे हों।
पिता जी **–** दफ्तर या दुकान से घर आते हैं व परिवार के साथ समय बिताते हैं।
किसान **–** खेतों के काम को समाप्त कर घर की ओर चल देता है।
बच्चे **–** बच्चे खेल-कूद कर घर आते है और कुछ मनोरंजन हेतु टी.वी. देखते हैं या अपना स्कूल का काम करते है।

प्रश्न **3.** हिंदी के एक प्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत ने संध्या का वर्णन इस प्रकार किया है**-**
संध्या का झुटपुट**-**
बाँसों का झुरमुट**-**
है चहक रही चिड़ियाँ
टी-वी-टी — टुट्-टुट्
• ऊपर दी गई कविता और सर्वेश्वर दयाल जी की कविता में आपको क्या मुख्य अंतर लगा**?** लिखिए।
उत्तर **–** सुमित्रानंदन पंत द्वारा लिखित कविता में प्रकृति के शाम के समय बाँसों के झुरमुट में चिड़ियों की गतिविधियों का वर्णन है, जबकि कवि सर्वेश्वरदयाल सक्सेना अपनी कविता ‘शाम-एक किसान’ के द्वारा जाड़े की शाम के प्राकृतिक दृश्य का वर्णन अनुपम ढंग से किया है।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. शाम के बदले यदि आपको एक कविता सुबह के बारे में लिखनी हो तो किन-किन चीजों की मदद लेकर अपनी कल्पना को व्यक्त करेंगे? नीचे दी गई कविता की पंक्तियों के आधार पर सोचिए –

पेड़ों के झुनझुने
बजने लगे;
लुढ़कती आ रही है।
सूरज की लाल गेंद।
उठ मेरी बेटी, सुबह हो गई।

-सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

उत्तर –
सवेरा होने लगा है।
लगता है सूरज की लाल गेंद
धरती की ओर लुढ़कती चली आ रही है।
पेड़ों के झुनझुने
बजने लगे हैं, सुबह हो गई,
उठो मेरी प्यारी बेटी, उठो।
बेटी कहती है,
अभी सोने दो माँ।

भाषा की बात

प्रश्न 1. नीचे लिखी पंक्तियों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए-
(क) घुटनों पर पड़ी है नदी चादर-सी
(ख) सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले-सा
(ग) पानी का परदा-सा मेरे आसपास था हिल रहा
(घ) मँडराता रहता था एक मरियल-सा कुत्ता आसपास
(ङ) दिल है छोटा-सा छोटी-सी आशा
(च) घास पर फुदकवी नन्ही-सी चिड़िया।
इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से कैसे शब्दों के साथ हो रहा है?
उत्तर – इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से संज्ञा और विशेषण शब्दों के साथ हो रहा है। चादर, गल्ले, परदा, छोटा, नन्ही संज्ञा एवं विशेषण शब्द हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग आप किन संदर्भों में करेंगे? प्रत्येक शब्द से दो-दो वाक्य बनाइए।

औंधी	दहक	सिमटा

उत्तर –
आँधी-
i) तेज के आँधी आने से सब समान बिखर गया।
ii) वह कल आँधी की तरह मेरे कमरे में आया और सब कुछ खराब करके चला गया।

दहक-
i) कोयले में आग अभी तक दहक रही थी।
ii) आज राकेश गुस्से से दहक रहा था।

सिमटा-
i) डर से बच्चा माँ की गोद में सिमटा रहा।
ii) सूर्य के छिपते ही सूरजमुखी के फूल सिमटकर बंद होने लगते है।

Shaam Ek Kisan – Extra Question Answers

प्रश्न 1. पहाड़ के नीचे बहती हुई नदी कैसी लग रही है ?
उत्तर – पहाड़ के नीचे बहती हुई नदी ऐसी लग रही है जैसे पहाड़ ने घुटनों तक किसी चादर को ओड़ा हुआ ।

प्रश्न 2. मोर की आवाज को सुनकर कैसा लगा ?
उत्तर – मोर की आवाज को सुन कर ऐसा लगा जैसे किसी ने किसी को "सुनते हो" कह कर पुकारा हो।

प्रश्न 3. पूर्व दिशा में पसरा हुआ अँधेरा कैसा महसूस हो रहा है?
उत्तर – पूर्व दिशा में पसरा हुआ अँधेरा ऐसा महसूस हो रहा है जैसे भेड़ों का समूह दुबक के बैठा हो।

प्रश्न 4. शाम का ढलना कैसा लग रहा है ?
उत्तर – शाम का ढलना ऐसा लग रहा है जैसे चिलम उलटी हो गई हो और उसमें से धुँआ उठ रहा हो।

प्रश्न 5. किसे अँगीठी बताया गया है और क्यों ?
उत्तर – पलाश के जंगल को अँगीठी बताया गया है, क्योंकि पलाश के पेड़ों पर खिले लाल फूल अंगीठी में जलते अंगारों की तरह प्रतीत होता है।

प्रश्न 6. शाम के समय कौन किसकी तरह लग रहा है?
उत्तर – शाम के समय पहाड़ किसी बैठे हुए किसान की तरह दिख रहा है और आसमान उसके सिर पर रखी किसी पगड़ी की तरह दिख रहा है। पश्चिम दिशा में मौजूद सूरज चिलम पर रखी आग की तरह लग रहा है। पहाड़ के नीचे बह रही नदी, पहाड़ के घुटनों पर रखी किसी चादर के सामान प्रतीत हो रही है। पलाश के पेड़ों पर खिले लाल फूल अंगीठी में जलते अंगारों की तरह दिख रहे हैं। पूर्व में फैलता अंधेरा सिमटकर बैठी भेड़ों के झुंड की तरह प्रतीत हो रहा है।

प्रश्न **7.** “आकाश का साफा बाँधकर
सूरज की चिलम खींचता
बैठा है पहाड़”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।
उत्तर – कवि ने उपरोक्त पंक्तियों द्वारा शाम होने के समय दिखाई देने वाला प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया है। कवि के अनुसार, शाम के समय पहाड़ किसी बैठे हुए किसान की तरह दिख रहा है और आसमान उसके सिर पर रखी किसी पगड़ी की तरह दिख रहा है। पश्चिम दिशा में मौजूद सूरज चिलम पर रखी आग की तरह लग रहा है।

प्रश्न **8.** “घुटनों पर पड़ी है नदी चादर – सी,
पास ही दहक रही है
पलाश के जंगल की अँगीठी”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।
उत्तर – कवि के अनुसार, पहाड़ के नीचे बह रही नदी, पहाड़ के घुटनों पर रखी किसी चादर के सामान प्रतीत हो रही है। पलाश के पेड़ों पर खिले लाल फूल कवि को अंगीठी में जलते अंगारों की तरह दिख रहे हैं।

प्रश्न **9.** “अचानक – बोला मोर।
जैसे किसी ने आवाज़ दी –
‘ सुनते हो ’।
चिलम औंधी
धुआँ उठा –
सूरज डूबा
अंधेरा छा गया।”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।
उत्तर – कवि ने उपरोक्त पंक्तियों द्वारा शाम के मनोहर सन्नाटे को भंग होने का वर्णन किया है। कवि के अनुसार, चारों तरफ छाई शांति के बीच एक दम से एक मोर बोल पड़ता है, उस मोर की आवाज सुन कर ऐसा लगता है जैसे मानो कोई पुकार रहा हो, ‘सुनते हो !’ फिर सारा दृश्य किसी घटना में बदल जाता है, जैसे सूरज की चिलम किसी ने उलट दी हो, जिसके कारण जलती हुई आग बुझने लगी हो और धुंआ उठने लगा हो। कहने का तात्पर्य यह है कि असल में, अब सूरज डूब रहा है और चारों तरफ अंधेरा छाने लगा है।

प्रश्न **10.** “अंधकार दूर पूर्व में
सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले – सा।”
उपरोक्त पंक्तियों का अर्थ लिखिए।
उत्तर – कवि के अनुसार, पूर्व में फैलता अंधेरा सिमटकर बैठी भेड़ों के झुंड की तरह प्रतीत हो रहा है। कवि कहता है कि शाम के इस समय चारों तरफ एक मन को हरने वाली शांति छाई हुई है।